स्टार पॉइंट वाले पैराग्राफ प्रीललम्स एग्जाम के ललए अति महत्वपूर्ण हैं

Result Mitra IAS/PCS Daily Magazine Content

अमेरिका द्वारा ग्रीनलैंड खरीदने की रुचि

➢ चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से "ग्रीनलैंड" को खरीदने में रुचि व्यक्त की है।
- ट्रुथ सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दुनिया भर में राष्ट्रीय सुरक्षा स्वतंत्रता के उद्देश्यों के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका को लगता है कि "ग्रीनलैंड" का स्वामित्व एवं नियंत्रण अमेरिका की परम आवश्यकता है।
- हालांकि डोनाल्ड ट्रंप के इस लिखित पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए ग्रीनलैंड द्वीप के प्रधानमंत्री म्यूट एगेडे ने कहा कि "ग्रीनलैंड हमारा है तथा हम बिकाऊ नहीं हैं और न ही कभी बिकाऊ होंगे।"
- यह पहली बार नहीं है जब ट्रंप ने ग्रीनलैंड को प्राप्त करने की रुचि व्यक्त की है।
- इससे पहले अपने पहले राष्ट्रपति के कार्यकाल के दौरान भी डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड को खरीदने का जिक्र किया था।

➢ ग्रीनलैंड :

- ग्रीनलैंड, डेनमार्क राज्य के अधीन एक स्वायत्त क्षेत्र है जो भौगोलिक रूप से उत्तरी अमेरिका का हिस्सा है।
- उत्तरी अटलांटिक महासागर में स्थित "ग्रीनलैंड" दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है जो अपने विशाल टुंड्रा और ग्लेशियर के लिए विश्व विख्यात है।
- ग्रीनलैंड की पूर्व से पश्चिम की लंबाई 1050 किलोमीटर तथा उत्तर से दक्षिण लंबाई 2670 किलोमीटर है।
- डेनमार्क का कुल क्षेत्रफल 2,166,086 वर्ग किलोमीटर है तथा वर्ष 2022 की जनगणना के अनुसार इसकी कुल जनसंख्या 56,583 है।
- हालांकि ग्रीनलैंड वर्तमान में डेनमार्क साम्राज्य का हिस्सा बना हुआ है लेकिन इसके आंतरिक मामलों के लिए इसकी अपनी स्वशासित सरकार है।

➢ भौगोलिक स्थिति :

- ग्रीनलैंड द्वीप का दो–तिहाई हिस्सा आर्कटिक सर्कल में स्थित है जबकि इसका उत्तरी छोर उत्तरी ध्रुव से लगभग 800 किलोमीटर से भी कम दूरी तक फैला हुआ है।
- ग्रीनलैंड का सबसे निकटतम यूरोपीय देश "आइसलैंड" है।
- ग्रीनलैंड को उत्तरी अमेरिका से "रिज द्वीप" भौतिक रूप से जोड़ती है।
- ग्रीनलैंड की विशाल बर्फ की चादर जिसकी औसत मोटाई 5000 फीट है, अंटार्कटिका के बाद विश्व में दूसरा स्थान रखता है।
- ग्रीनलैंड की कुल भूमि का पांचवा हिस्सा बर्फ की चादर के रूप में है।
- ग्रीनलैंड की "जैकब्सहावन ग्लेशियर" दुनिया का सबसे तेज ग्लेशियर है जो एक दिन में 30 मीटर की गति से आगे बढ़ता है।
- ग्रीनलैंड की जलवायु आर्कटिक है तथा कम वर्षा के कारण इसे आर्कटिक रेगिस्तान के रूप में जाना जाता है।

➢ इतिहास :

Result Mitra

- इतिहासकारों का मानना है कि लगभग 2500 ईसा पूर्व में उत्तरी अमेरिका "इनुइट" जो वर्तमान में पूर्वी ग्रीनलैंडर्स के रूप में जाने जाते हैं, कई प्रवासों की श्रृंखला में यहां आए और बस गए।
- वर्ष 1985 में नॉर्वे के "एरिक द रेड" नामक एक व्यक्ति ने "ग्रीनलैंड" की खोज की।
- लगभग 15वीं शताब्दी तक यहां बसने वाले लगभग 1100 "इनुइट" अपने आप को ग्रीनलैंड में आबाद नहीं रख पाए एवं इनकी जनसंख्या लगातार कम होती चली गई।
- ग्रीनलैंड की औपनिवेशिक युग की शुरुआत 1722 ईस्वी में नॉर्वे द्वारा ग्रीनलैंड में एक व्यापारिक कंपनी और एक "मिशन" की स्थापना से शुरू हुई।
- वर्ष 1976 में डेनमार्क सरकार द्वारा ग्रीनलैंड के साथ पूर्ण व्यापार का एकाधिकार स्थापित करके ग्रीनलैंड के तटों को विदेशी पहुंच के लिए बंद कर दिया।
- द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान डेनमार्क पर जर्मनी के कब्जे के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका ने ग्रीनलैंड को अपने कब्जे में ले लिया हालांकि 1945 में इसे पुन: डेनमार्क को वापस कर दिया।
- डेनमार्क सरकार ने 1 मई 1979 को ग्रीनलैंड को स्वशासन प्रदान किया।

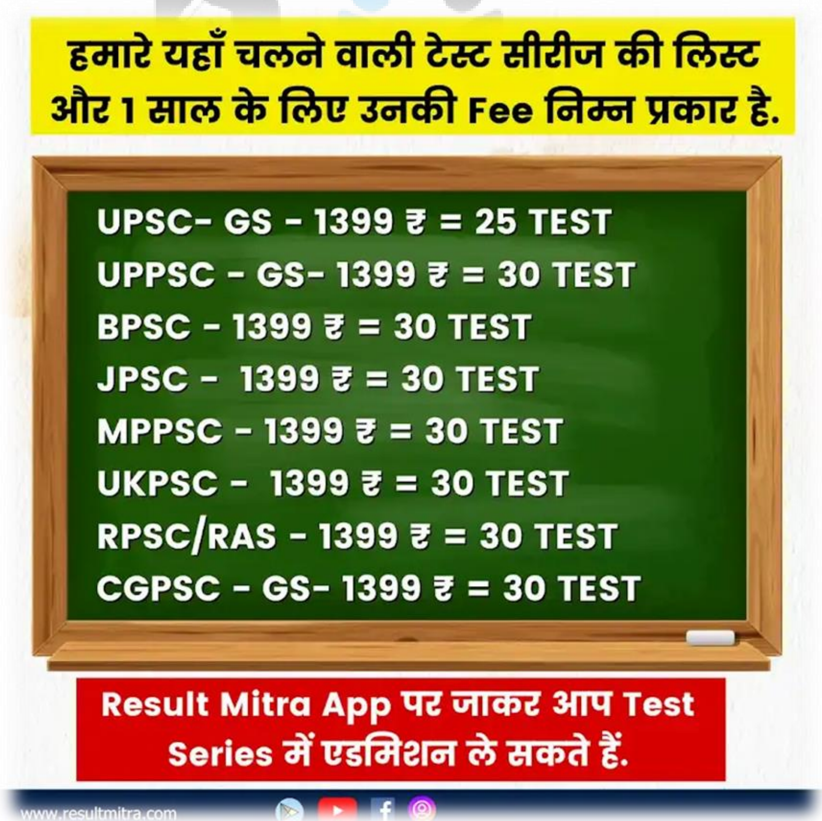

➢ **"ग्रीनलैंड" अमेरिका के लिए क्यों महत्वपूर्ण है ?**

❖ **रणनीतिक महत्व**

- ग्रीनलैंड पर अमेरिका की रुचि शीत युद्ध के दौरान इसके बढ़ते रणनीतिक महत्व के कारण उत्पन्न हुई।
- ग्रीनलैंड का रणनीतिक महत्व अमेरिका के लिए इतना महत्वपूर्ण था कि वह चीन, रूस तथा उत्तर कोरिया से अपनी ओर आने वाली किसी भी मिसाइलों की आसानी से निगरानी कर सकता था।
- इसी क्रम में अमेरिका ने एक समझौते के तहत वर्ष 2004 में ग्रीनलैंड के "थुले एयर बेस" पर अपनी "मिसाइल रक्षा प्रणाली" स्थापित करने की स्वीकृति ली।
- वर्तमान में "थुले एयर बेस" जो "पिटफिक स्पेस बेस" के नाम से जाना जाता है, अमेरिकी नियंत्रण में है।
- "पिटफिक स्पेस बेस" से अमेरिका, यूरोप एवं एशिया की ओर अपने मिसाइलों एवं जहाजों को आसानी से लांच कर सकता है।

➢ दुर्लभ पृथ्वी खनिज की उपलब्धता :

- ग्रीनलैंड "दुर्लभ पृथ्वी खनिजों की उपलब्धता" में समृद्ध है।
- ग्रीनलैंड में दुर्लभ पृथ्वी खनिज जैसे यिट्रियम, स्कैंडियम, नियोडिमियम और डिस्प्रोसियम आदि का सबसे बड़ा भंडार मौजूद है।
- दुर्लभ पृथ्वी खनिज अपनी अद्वितीय रासायनिक गुणों के कारण वर्तमान की कई प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों के लिए काफी महत्वपूर्ण है।
- दुर्लभ पृथ्वी खनिज का उपयोग मोबाइल फोन, इलेक्ट्रिक वाहनों, इलेक्ट्रॉनिक्स, पवन टर्बाइन, कंप्यूटर, चिकित्सा क्षेत्रों सहित कई प्रकारों के बमों एवं अन्य अत्याधुनिक हथियारों के निर्माण में किया जाता है।
- पिछले कुछ वर्षों से कई विदेशी कंपनियों द्वारा दुर्लभ पृथ्वी खनिज के खनन के लिए ग्रीनलैंड में भारी निवेश किया गया है।
- ग्रीनलैंड के अलावा अधिकांश दुर्लभ पृथ्वी खनिज समृद्ध क्षेत्र उत्तरी अमेरिका से बाहर है, जिसके कारण अमेरिका यहां की दुर्लभ पृथ्वी खनिज पर नियंत्रण स्थापित करना चाहता है।
- वर्तमान में दुर्लभ खनिज का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता चीन है।

➢ ग्रीनलैंड के बर्फ का पिघलना :

- ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्रीनलैंड की बर्फ तेजी से पिघल रही है, जो भविष्य में आर्कटिक क्षेत्र में नए जलमार्ग बनाने के लिए अनुकूल हो सकता है।

- विश्व की सभी प्रमुख शक्तियां जैसे रूस और चीन ग्रीनलैंड में भारी निवेश करना चाहती है जो पड़ोसी अमेरिका के लिए चिंता का कारण हो सकता है।

➢ अमेरिका द्वारा आखिरी बार ग्रीनलैंड के अधिग्रहण का प्रयास :

- वर्ष 1946 में द्वितीय विश्व युद्ध के ठीक समाप्ति के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति "हैरी एस ट्रूमेन" ने ग्रीनलैंड के लिए डेनमार्क को 100 मिलियन डॉलर की पेशकश की थी।
- इससे पहले ट्रूमेन ने अलास्का के कुछ हिस्सों को ग्रीनलैंड के कुछ हिस्सों से बदलने का डेनमार्क को प्रस्ताव दिया था, जो आगे नहीं बढ़ पाया।
- वर्ष 1867 में अमेरिकी विदेश विभाग ने ग्रीनलैंड की रणनीतिक स्थिति और प्रचुर प्राकृतिक संसाधन की उपलब्धता के कारण ग्रीनलैंड को अधिग्रहण के लिए आदर्श बताया था।
- हालांकि अमेरिकी विदेश विभाग के इस सुझाव पर कोई औपचारिक प्रयास नहीं किया गया।

➢ अमेरिका द्वारा खरीदे गए इलाके :

❖ अलास्का

- वर्ष 1867 में तत्कालीन रूसी साम्राज्य से अमेरिका ने "अलास्का" का अधिग्रहण किया।
- इस सौदे में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति एंड्रयू जॉनसन ने रूसी साम्राज्य को 7.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर दिया।
- अमेरिका की इस खरीद से अमेरिका में लगभग 1.5 मिलियन वर्ग किलोमीटर जमीन जुड़ गई और यही क्षेत्र वर्ष 1959 आधुनिक अलास्का राज्य बना।

❖ लुइसियाना खरीद

- अलास्का से पहले 1830 ई. में अमेरिका ने फ्रांस से 2 मिलियन वर्ग किलोमीटर की जमीन खरीदी थी, जिसे "लुइसियाना खरीद" के नाम से जाना जाता है।
- फ्रांस से लुसियाना का अधिग्रहण के लिए तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति थॉमस जेफरसन ने 15 मिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया था।
- इसके अलावा वर्ष 1917 में अमेरिका ने कैररिबियन में द्वीपों के एक समूह "डेनिस वेस्टइंडीज" को खरीदा, जिसे उसने "US वर्जिन द्वीप समूह" नाम दिया।

स्टार पॉइंट वाले पैराग्राफ प्रीलिम्स एग्जाम के ललए अति महत्वपूर्ण हैं